मौखिक

क. सफलता प्राप्त करने पर साधारणतया लोग बहुत प्रसन्न होते हैं। उन्हें आगे बढ़ने, परिश्रम करने की प्रेरणा मिलती है। उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है।

ख. कार्य को निश्चित करने (साधने) के पश्चात उस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए, अपने सारे प्रयत्न उसी दिशा में लगा देने होंगे। एकाग्रता और लगन के बिना लक्ष्य पाना दूभर होता है।

ग. प्रकृति हमें निरंतर कार्य करने की प्रेरणा देती है। प्रकृति के सभी उपादान—बहती हवा, डूबता उगता सूरज, बहती नदियाँ और झरने मनुष्य को आगे बढ़ने का ही संदेश देते हैं।

घ. लक्ष्य सिद्धि का मुख्य आधार परिश्रम है। यदि व्यक्ति परिश्रम करे तो किसी भी कार्य को सफलतापूर्वक कर सकता है। उदाहरण के लिए ताजमहल जैसी कलात्मक भव्य इमारत, चीन की सैकड़ों मील लंबी दीवार, मिस्र के महान पिरामिड— सभी मनुष्य के दृढ़ निश्चय, लगन और परिश्रम का परिणाम हैं।

लिखित

क. सफलता प्राप्ति के लिए सही लक्ष्य का चुनाव सही समय पर करना चाहिए। अपनी योग्यताओं और सीमाओं को ध्यान में रखना चाहिए। लगन होनी चाहिए। बहुत परिश्रम करना चाहिए।

ख. अपने भीतर के व्यक्ति या प्रतिभा को पहचानने के लिए अपनी रुचि को पहचानना आवश्यक है। हर व्यक्ति अपनी रुचि के क्षेत्र में कार्य करके ही सफलता प्राप्त कर सकता है, जैसे—कोई अच्छा लेखक हो सकता है तो कोई वक्ता, कोई पेड़-पौधों में रुचि रखता है तो कोई मशीनों में और कोई चित्र बनाने में। हम अपने विशिष्ट गुणों को पहचानकर निखारेंगे तभी सफलता हमारे कदम चूमेगी।

ग. उन व्यक्तियों को महान माना गया है जो अपना लक्ष्य मानवता को आधार बनाकर चुनते हैं। ऐसे व्यक्ति दूसरों को प्रभावित करते हैं और अमर हो जाते हैं। संसार उन्हें प्रेरणा-स्रोत के रूप में देखता है। जो निस्स्वार्थ भाव से कार्य करते हैं, वे ही महान होते हैं।

घ. लक्ष्य निर्धारित करते समय यह विचार अवश्य कर लेना चाहिए कि आखिर हम चाहते क्या हैं। लक्ष्य हमारी रुचि के अनुकूल ही होना चाहिए।

आशय स्पष्टीकरण—

i. महान व्यक्ति अपना जीवन लक्ष्य मानवता के आधार पर चुनते हैं। ऐसे व्यक्ति दृढ़निश्चयी और आत्मविश्वासी होते हैं। उनके आत्मविश्वास की आभा, उनके मुख पर स्पष्टतः झलकती है।

ii. कठिन से कठिन और पेचीदा काम भी मन की दृढ़ता के सामने हार मान लेता है। कार्य के प्रति निष्ठा लक्ष्य-प्राप्ति के मार्ग को सरल बना देती है।

iii. लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ईमानदारी, दृढ़निश्चय और निष्ठा भरे कदम मंज़िल की ओर बढ़ते जाएँगे।

पठित पाठांश—

i. जीवन में सफलता के लिए मंज़िल का सही समय पर चुनाव करना अत्यंत आवश्यक है।

ii. कोई भी कदम उठाने से पहले यह अवश्य विचार कर लेना चाहिए कि आखिर हम चाहते क्या हैं।

iii. लक्ष्य का निर्धारण रुचि के अनुकूल ही होना चाहिए।

- सही विकल्प चुनकर ✓ लगाइए—

क. जीवन में सफल होने के लिए क्या करना आवश्यक है? ✓ मंज़िल का सही समय पर चुनाव

ख. प्रकृति हमें क्या प्रेरणा देती है? ✓ काम में जुटे रहने की

ग. किस प्रकार के वृक्ष किसी के आश्रय-स्थल बनते हैं? ✓ आँधियाँ झेलने का साहस रखनेवाले

- **मूल्यपरक प्रश्न**

लक्ष्य-प्राप्ति के लिए सतत परिश्रम, लगन, धैर्य, समर्पण, विवेकशीलता, अनुशासन, कर्तव्यबोध, दृढ़-निश्चय, आत्मविश्वास, प्रतिकूल परिस्थितियों का डटकर सामना करने की हिम्मत और आशावादी सोच आदि गुणों की आवश्यकता होती है।

भाषा-ज्ञान